अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 322 श्री विजय पुरम, शनिवार, 29 नवंबर 2025 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

माननीय उप राज्यपाल ने टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

द्वीपों में टीबी उन्मूलन को गति देने हेतु रणनीतियों को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश

निर्धारित संवेदनशील आबादी के कवरेज लक्ष्य को प्राप्त करने वाला अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह देश का पहला राज्य/केंद्र शासित प्रदेश है

श्री विजय पुरम, 28 नवम्बर

एडमिरल डी.के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.), माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी ने आज राज निवास में टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, तीनों ज़िलों के उपायुक्त (उत्तर व मध्य अण्डमान और निकोबार से वर्चुअल सहभागी सहित), विभिन्न उप–विभागों के सहायक आयुक्त, स्वास्थ्य सेवा निदेशक, राज्य टीबी अधिकारी, ज़िला टीबी अधिकारी तथा आईआरएल के माइक्रोबायोलॉजिस्ट उपस्थित थे।

राज्य टीबी अधिकारी ने टीएमबीए के क्रियान्वयन का एक व्यापक विवरण प्रस्तुत किया, जिसमें जुलाई, 2025 से आयोजित बैठकों, संदिग्ध टीबी जांचों की प्रवृत्ति, टीबी केस नोटिफिकेशन, रोगी निगरानी तंत्र, ज़िला–स्तरीय हस्तक्षेप, निक्षय मित्र सहयोग, आईईसी गतिविधियाँ, टीबी मुक्त पंचायत प्रगति तथा पूर्व निर्णयों पर की गई कार्रवाई शामिल थी। मासिक निक्षय क्लीनिक, निकोबार ज़िले में कुपोषित रोगियों के लिए अतिरिक्त पोषण सहायता, एसबीआई द्वारा 50 टीबी रोगी परिवारों को एक वर्ष की सहायता तथा समुदाय–आधारित निक्षय शिविर जैसी नई पहलों को भी उजागर किया गया। यह भी अवगत कराया गया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्धारित संवेदनशील आबादी के कवरेज लक्ष्य को प्राप्त करने वाला अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह देश का पहला राज्य/केंद्र शासित प्रदेश है।

माननीय उप राज्यपाल ने स्वास्थ्य विभाग एवं ज़िला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की तथा द्वीपसमूह में टीबी उन्मूलन को गति देने हेतु रणनीतियों को और सुदृढ़ बनाने और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के निर्देश दिए।

Analytics - India
7th December 2024 – 22nd November 2025
Vulnerable population coverage – in States

State	Vulnerable population	Vulnerable population listed (enrolled in Ni-kshay)	% Screened
Andaman And Nicobar Islands	87,124	87,124	100%
Jammu And Kashmir	28,09,926	27,22,262	97%
Himachal Pradesh	14,16,662	13,65,352	96%
Rajasthan	1,64,99,782	1,56,46,847	95%
The Dadra And Nagar Haveli And Daman And Diu	1,16,262	91,084	78%
Chandigarh	1,14,000	76,374	67%
Tripura	7,27,846	4,48,096	62%
Madhya Pradesh	1,79,63,528	1,05,26,411	59%
Tamil Nadu	94,29,842	54,71,956	58%
Uttar Pradesh	4,56,43,457	2,49,03,343	55%
Odisha	71,76,697	38,88,449	54%
Maharashtra	2,14,95,491	1,15,32,261	54%
Telangana	68,40,916	36,19,786	53%
Uttarakhand	22,82,520	11,73,369	51%
Goa	2,38,699	1,16,768	49%
Gujarat	93,03,350	45,16,249	49%
Puducherry	1,82,415	87,442	48%
Andhra Pradesh	1,02,59,960	48,07,665	47%
Assam	70,13,114	31,25,895	45%
Mizoram	2,04,275	88,258	43%
Chhattisgarh	58,34,072	23,53,735	40%
Lakshadweep	13,420	5,170	39%
Sikkim	1,21,034	46,208	38%
Ladakh	53,159	17,658	33%
Delhi	31,97,351	7,60,558	24%
Meghalaya	7,79,189	1,78,457	23%
Haryana	34,45,975	7,31,188	21%
Punjab	40,16,459	8,02,414	20%
Manipur	4,16,073	66,553	16%
Nagaland	3,07,538	44,585	14%
Karnataka	1,21,94,647	14,69,702	12%
West Bengal	1,73,52,636	17,32,273	10%
Arunachal Pradesh	3,22,840	27,238	8%
Jharkhand	74,76,014	4,38,275	6%
Bihar	1,52,98,206	5,93,884	4%
Kerala	79,39,172	2,24,078	3%
India	23,85,73,652	10,37,86,967	44%

>50% | 31-50% | <=30%

सांसद द्वारा विकसित भारत युवा संसद 2026 ज़िला चरण का उद्घाटन किया गया

श्री विजय पुरम, 28 नवम्बर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने शुक्रवार को विकसित भारत युवा संसद 2026 के ज़िला चरण चयन का भव्य शुभारंभ अण्डमान लॉ कॉलेज में किया। मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए उन्होंने युवाओं से अपने प्रयासों में जागरूक, गतिशील और विकसित रहने का आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न कॉलेजों से आए सैकड़ों विद्यार्थियों की उपस्थिति में वाद–विवाद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने नगर के विभिन्न कॉलेजों के छात्र प्रतिनिधियों के साथ दीप प्रज्वलित किया। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का नाम रोशन करने और अपनी प्रतिभा दिखाने की अपील की।

अण्डमान लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पी.वी.एन. सरमा ने बैठक की अध्यक्षता की। अपने प्रारंभिक वक्तव्य में उन्होंने युवा मामले एवं खेल मंत्रालय तथा माईभारत का धन्यवाद किया कि वर्ष 2026 के लिए भी यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता आयोजित करने का अवसर दिया गया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अण्डमान लॉ कॉलेज ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित कर राष्ट्रीय स्तर पर द्वीपों का नाम ऊँचा किया था। यह कार्यक्रम युवाओं की सामाजिक ज़िम्मेदारी

शेष पृष्ठ 4 पर

मुख्य सचिव ने किया 24वें राज्य स्तरीय स्कूल खेल तथा 9वीं राज्य स्तरीय विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतियोगिता का शुभारंभ

श्री विजय पुरम, 28 नवम्बर

24वें राज्य स्तरीय स्कूल खेल तथा 9वीं राज्य स्तरीय विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतियोगिता का शुभारंभ आज यहाँ ऐतिहासिक नेताजी स्टेडियम में हुआ। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस) ने मुख्य अतिथि के रूप में 'प्रतियोगिता ध्वज' फहराकर खेलों का उद्घाटन किया। उन्होंने 'ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी' का अनावरण किया और उपस्थिति में खेलों की 'टेक्निकल बुलेटिन' भी जारी की। इस अवसर पर दक्षिण अण्डमान के उपायुक्त श्री अर्जुन शर्मा (आईएएस), निदेशक (शिक्षा) श्री विक्रम सिंह, शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता को उद्घोषित करते हुए मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की। मुख्य सचिव ने प्रतिभागी दस्तों तथा विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रभावी मार्च–पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रशंसा की।

कार निकोबार के उन छात्र खिलाड़ियों का उल्लेख करते हुए, जिन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय स्तर की सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल चैंपियनशिप में भाग लिया था, मुख्य सचिव ने बताया कि द्वीपसमूह की टीम ने 'फेयर प्ले अवॉर्ड' जीता है और यह उपलब्धि न केवल अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है कि वे पूर्ण ईमानदारी से खेलें। द्वीपों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, यह उल्लेख करते हुए मुख्य सचिव ने खेल क्षेत्र में और अधिक उपलब्धियाँ हासिल करने के लिए केंद्रित रूप से आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग हैं और यदि विद्यार्थी खेलों में मेहनत करें, तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे।

स्कूल खेलों की ओर रुख करते हुए मुख्य सचिव ने सभी 9 शैक्षणिक अंचलों के प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे सच्ची खेल भावना के साथ सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा, "आप जो कर

शेष पृष्ठ 4 पर

मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी मतदाताओं से 4 दिसम्बर से पहले वितरित गणना प्रपत्र जमा करने की अपील

श्री विजय पुरम, 28 नवंबर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री एल. कुमार (आईएएस) ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी मतदाताओं से 4 दिसंबर, 2025 से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा वितरित गणना प्रपत्र प्रस्तुत करने की अपील की है।

मतदाताओं को सलाह दी जाती है कि जो लोग निर्धारित समय सीमा तक गणना फॉर्म जमा करने में विफल रहते हैं, उनके नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं होंगे, जो 9 दिसंबर, 2025 को प्रकाशित होने वाली है।

सीईओ ने यह भी कहा कि

- इनमें से केवल पहले भरे और हस्ताक्षरित फॉर्म भी मान्य माने जाएंगे, बशर्ते वे निर्धारित समय से पहले बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) को प्रस्तुत हों।
- जो मतदाता अपने नाम या अंतिम सर रोल में अपने माता–पिता/महाजनों के नाम का पता लगाने या उन्हें सत्यापित करने में असमर्थ हैं, उन्हें 9 दिसंबर, 2025 को जारी किए जाने वाले प्रारूप में शामिल करने के लिए बीएलओ को गणना फॉर्म जमा करना चाहिए।

यह भी बताया गया है कि बीएलओ द्वारा तीन डोर–टू–डोर यात्राओं के बावजूद कुछ मतदाताओं को गणना फॉर्म वितरित नहीं किए जा सकते हैं। ऐसे मतदाता भी ड्राफ्ट रोल में तब तक शामिल नहीं होंगे जब तक वे 4 दिसंबर, 2025 से पहले फॉर्म जमा नहीं कर लेते।

जिन मतदाताओं का नाम मसौदा सूची में नहीं है, उन्हें दावों और आपत्तियों की अवधि के दौरान आवेदन करने का अवसर मिलेगा, जो 9 दिसंबर, 2025 से 8 जनवरी, 2026 तक खुला रहेगा।

- योग्य मतदाता फॉर्म–6 के साथ–साथ एक अनिवार्य घोषणा फॉर्म का उपयोग करके शामिल करने के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- मतदाता सुधार या स्थानांतरण के लिए आवेदन फॉर्म–8 का उपयोग करके भी प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
- मौजूदा प्रविष्टियों पर उसी निर्वाचन क्षेत्र के किसी भी निर्वाचक द्वारा आपत्ति की जा सकती है।

नोटिस और सुनवाई का चरण 9 दिसंबर, 2025 से 31 जनवरी, 2026 तक आयोजित किया जाएगा। सभी दावों और आपत्तियों के निपटान के बाद, अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

प्राप्त विज्ञप्ति में सीईओ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एक त्रुटि–मुक्त

शेष पृष्ठ 4 पर

कोलकाता में आयोजित यात्रा पूर्व मेले में पर्यटन विभाग की भागीदारी

कोलकाता, 28 नवंबर

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का पर्यटन विभाग 28 से 30 नवंबर 2025 तक कोलकाता के सिटी सेंटर I में आयोजित होने वाले यात्रा पूर्व मेले के 9वें संस्करण में भाग ले रहा है। अण्डमान पर्यटन पैवेलियन में द्वीपों की अनोखी प्राकृतिक सुंदरता, साहसिक प्रस्तुतियों, जीवंत संस्कृति और टिकाऊ पर्यटन पहलों को प्रदर्शित किया गया है। अण्डमान पर्यटन की शक्ति को उजागर करने, नए पैकेजों को बढ़ावा देने और बाजार लिंकेज को मजबूत करने के लिए अण्डमान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स, एंटोना (अण्डमान

शेष पृष्ठ 4 पर

समुद्री खोज एवं बचाव अभ्यास "सारेक्स–2026"

श्री विजय पुरम, 28 नवम्बर

क्षेत्रीय स्तर का समुद्री खोज और बचाव (एम–एसएआर) अभ्यास 'सारेक्स–2025' का आयोजन, अण्डमान तथा निकोबार कमान के तत्वावधान में तटरक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय (अण्डमान तथा निकोबार) द्वारा 27 से 28 नवंबर, 2025 को श्री विजय पुरम में किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य सभी एम–एसएआर हितधारकों के बीच सामूहिक तैयारियों को मजबूत करना था, जिसमें समुद्र में बड़े पैमाने पर बचाव अभियानों के लिए समन्वय, पारस्परिक सहयोग और संचालनात्मक तत्परता पर विशेष ज़ोर दिया गया। यह प्रक्रियाओं को परिष्कृत करने, संचार माध्यमों को सत्यापित करने और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है।

इस गतिविधि में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न स्थानीय एम–एसएआर हितधारकों और संसाधन एजेंसियों ने भाग लिया। 27 नवंबर को एक टेबल टॉप एक्सरसाइज़ आयोजित की गई, जिसमें बड़े पैमाने पर बचाव परिदृश्य का सिमुलेशन किया गया, जिससे एजेंसियों को समन्वित निर्णय लेने और सूचना के सुचारु प्रवाह का आकलन करने का अवसर मिला। इसके बाद 28 नवंबर को समुद्री अभ्यास आयोजित किया गया, जिसमें संकटग्रस्त जहाज़ से यात्रियों के बचाव, चिकित्सीय जांच (ट्रायेज) और निकासी प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया।

कमान मुख्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार तटरक्षक के जहाज़ों, विमानों तथा जहाज़रानी सेवा निदेशालय के एक जहाज़ ने इस अभ्यास में भाग लिया, जिसमें समुद्र में बचाव तकनीकों, चिकित्सा निकासी तथा अग्निशमन क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। समुद्री, आपातकालीन एवं सिविल एजेंसियों की संयुक्त भागीदारी ने ऐसे एकीकृत प्रयासों के लाभों को रेखांकित किया, जिससे क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों से निपटने की तैयारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ये संयुक्त अभ्यास संचालनात्मक सामंजस्य को बढ़ावा देते हैं और सभी हितधारकों के बीच विश्वास विकसित करते हैं, जिससे समुद्री आपात स्थितियों के दौरान समन्वित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित होती है।

जूनियर इंजीनियर परीक्षा 3 दिसम्बर से

श्री विजय पुरम, 28 नवम्बर

कर्मचारी चयन आयोग 3 दिसंबर, 2025 से 6 दिसंबर, 2025 तक जूनियर इंजीनियर (सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल) (टियर–1) परीक्षा, 2025 आयोजित करने जा रहा है। सचिवालय में उप सचिव (भर्ती व परीक्षा) से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों के ई–एडमिट कार्ड आयोग की वेबसाइट (https://ssc.gov.in/ |https://sscer.org/) पर निर्धारित परीक्षा तिथि से 3 से 4 दिन पहले उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

साइक्लिंग विधा के लिए चयन व प्रतिभा पहचान

श्री विजय पुरम, 28 नवम्बर

खेल एवं युवा कार्य विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की ओर से 12 से 17 वर्ष के इच्छुक खिलाड़ियों/एथलीटों के लिए साइक्लिंग विधा में खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, श्री विजय पुरम में प्रवेश हेतु चयन/प्रतिभा पहचान आयोजित की जाएगी। खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, खेलो इंडिया योजना का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसके अंतर्गत पात्र प्रतिभाशाली खिलाड़ियों/एथलीटों को खेल विज्ञान सहयोग, कोचिंग, निगरानी एवं खेल उपकरण आदि की सुविधा प्रदान की जाएगी। साइक्लिंग विधा के लिए चयन/प्रतिभा पहचान में सामान्य शारीरिक परीक्षण तथा विशेष साइक्लिंग परीक्षण शामिल होगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक युवा खिलाड़ी/एथलीट 30 नवम्बर, 2025 को सुबह 8 बजे आवश्यक दस्तावेज़ों जैसे जन्म प्रमाणपत्र, आधार कार्ड (मूल एवं प्रतिलिपि) तथा 2 पासपोर्ट आकार के फोटो सहित साइक्लिंग वेलोड्रोम, नेताजी स्टेडियम, श्री विजय पुरम में रिपोर्ट करें।

फायरिंग अभ्यास

श्री विजय पुरम, 28 नवम्बर

मैनुवर्स, फील्ड फायरिंग और आर्टिलरी प्रैक्टिस अधिनियम, 1938 की धारा 10 की उपधारा (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दक्षिण अण्डमान के ज़िलाधीश द्वारा जारी विज्ञप्ति में यह सूचना दी गई है कि भारतीय वायु सेना द्वारा मिसाइल फायरिंग अभ्यास 1, 2 और 3 दिसम्बर, 2025 को सुबह 9 बजे से सुबह 11 बजे तक तथा शाम 3.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को चेतावनी दी गई है कि उपरोक्त तिथि एवं समय के दौरान स्वयं, अपने वाहन तथा पशुधन को फायरिंग रेंज से दूर रखें।

आईआरबीएन द्वारा फायरिंग अभ्यास

श्री विजय पुरम, 28 नवंबर

युद्धाभ्यास, फील्ड फायरिंग और आर्टिलरी प्रैक्टिस एक्ट, 1938 की धारा 10 की उप–धारा (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है कि आईआरबीएन कर्मियों के फायरिंग अभ्यास का वार्षिक श्रेणी वर्गीकरण पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, फायरिंग रेंज, बर्ड लाइन, प्रोथरापुर में सुबह 6 बजे से शाम 3 बजे तक किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता, विशेष रूप से बर्ड लाइन और प्रोथरापुर क्षेत्र के ग्रामीणों/निवासियों को उपरोक्त उल्लिखित तारीख और समय के दौरान फायरिंग रेंज से खुद को और अपने मवेशियों को दूर रखने की चेतावनी दी गई हैं।

सांसद द्वारा विकसित भारत युवा संसद 2026 ——————पृष्ठ 1 का शेष

की भावना को समझने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस वर्ष वाद–विवाद का विषय' आपातकाल के 50 वर्ष और लोकतंत्र के लिए सबक' है। माईभारत के संयुक्त निदेशक श्री सुख रंजन बिस्वास ने अपने संबोधन में युवाओं से ज़िम्मेदार व्यवहार, नेतृत्व क्षमता और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र के विकास में परिवर्तनकारी भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत युवा से ही संभव है। जूरी सदस्यों में श्री आर.वी.आर. मूर्ति, श्री आर.जी. एस. बघेल, श्री विशाल यादव और श्री संजय रॉय शामिल थे, जिन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का विभिन्न मानकों पर मूल्यांकन किया। कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रजीव मंडल ने किया। अण्डमान लॉ कॉलेज की छात्राएँ मनीषा और विशाखा ने कार्यक्रम का संचालन (एंकरिंग) किया।

मुख्य सचिव ने किया 24वें राज्य स्तरीय स्कूल ——————पृष्ठ 1 का शेष

सभी लोगों का स्वागत किया।

राज्य स्तरीय स्कूल खेल युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं।

कुल मिलाकर नौ शैक्षणिक अंचलों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों सहित 990 छात्र इन खेलों में भाग ले रहे हैं।

एक भव्य मार्च–पास्ट आयोजित किया गया, जिसमें द्वीपों के सभी नौ शैक्षणिक क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण प्रस्तुति थी बॉयज स्कूल और जीडीएमएस के छात्रों द्वारा प्रस्तुत 'योग नृत्य'। गर्ल्स स्कूल की छात्राओं ने खेलों के महत्व को दर्शाता नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे स्टेडियम में उपस्थित सभी लोगों ने सराहा। इससे पूर्व, सुबह मुख्य सचिव ने सचिवालय परिसर से प्रतियोगिता की मशाल को प्रज्वलित किया।

24वीं राज्य स्तरीय स्कूल खेलकूद 2025 (28 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिताएँ)

100 मीटर (बालक वर्ग)–मोहम्मद सिनान (विंबर्लीगंज), शकील भगवार (रंगत) और जॉर्ज एल्विन (लिटिल अण्डमान) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे।

400 मीटर (बालक वर्ग)–एम. मोहम्मद सिनान (विंबर्लीगंज), पिंटू राम (श्री विजय पुरम) और एडविन (कार निकोबार) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे।

200 मीटर (बालिका वर्ग)–जिज्ञासा साई (श्री विजय पुरम), सेनडेला (कार निकोबार) और सुशी मिता एल्विन (विंबर्लीगंज) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं।

400 मीटर (बालिका वर्ग)–रिंकी कुमारी (श्री विजय पुरम), मुस्कान टिग्गा (लिटिल अण्डमान) और एसांती एक्का (डिगलीपुर) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं।

सीडब्ल्यूएसएन के लिए 9वीं राज्य स्तर प्रतियोगिता (28 नवंबर को आयोजित स्पर्धाएं)

100 मीटर स्प्रिंट आईडी (बालक वर्ग)–एस. रोहित (विंबर्लीगंज), एस. के. तौहीद (श्री विजय पुरम) और अजय समद्दार (मायाबंदर) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे।

बॉल थ्रो आईडी (बालिका वर्ग)–सलिना देवी (मायाबंदर), टी. श्रीनिधि (कैम्पबेल बे) और एल्सी (विंबर्लीगंज) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं।

लॉन्ग जंप एचआई (बालक वर्ग)–दिवाकर राज (विंबर्लीगंज), बीरबल लोहरा (कैम्पबेल बे) और डी. तरुण (रंगत) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे।

100 मीटर आईडी (बालिका वर्ग)–बी. अनीता (रंगत), पी. भावना (श्री विजय पुरम) और रोज़ लिली (कार निकोबार) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं।

लॉन्ग जंप एचआई (बालिका वर्ग)–वी. सिरीषा (विंबर्लीगंज), एन. सिरीषा (लिटिल अण्डमान) और एम. रंजना (श्री विजय पुरम) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं।

कोलकाता में आयोजित यात्रा पूर्व मेले में ——————पृष्ठ 1 का शेष

निकोबार टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन) और आईटीटी मैजेस्टिक जैसे द्वीपों के प्रमुख पर्यटन हितधारक संघों के प्रतिनिधि सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन इस अवसर का लाभ उठाने, पर्यटन संभावनाओं को बढ़ावा देने और आगामी सीज़न में बड़ी संख्या में यात्रियों को आकर्षित करने के लिए तत्पर है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी मतदाताओं से ——————पृष्ठ 1 का शेष

और समावेशी मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन मतदाताओं को पहले ही फॉर्म मिल चुके हैं, उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे उन्हें बिना देरी के प्रस्तुत करें और अंतिम तिथि तक प्रतीक्षा करने से बचें। सीईओ ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की कि वे अपने विधिवत भरे हुए गणना फॉर्म, बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) को या जल्द से जल्द दे अथवा डीईओ या एईआरओ के कार्यालयों में हेल्प डेस्क पर जमा करके लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग और सक्रिय रूप से भाग लें। किसी भी कठिनाई के मामले में, मतदाता अपने बूथ स्तर के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं या मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल कर सकते हैं।

ऑडिट पखवाड़ा मनाया गया

श्री विजय पुरम, 28 नवंबर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में भारत के शाखा कार्यालय के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने ऑडिट पखवाड़ा मनाया, जिसकी शुरुआत 16 नवंबर, 2025 को ऑडिट दिवस समारोह के साथ हुई थी। इस वर्ष श्री विजय पुरम के शाखा कार्यालय में 17 नवंबर को एक क्विज़ प्रतियोगिता और आज एक हितधारक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सचिव (वित्त) श्री अमन गुप्ता भी उपस्थित थे। हितधारकों की बैठक में ऑडिट प्रक्रियाओं और डिजिटल प्रगति के बारे में जानकारी साझा करने और ऑडिट दक्षता में सुधार के लिए फीडबैक और सुझाव प्राप्त करने पर ज़ोर दिया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार हितधारक भागीदारी बैठक ने ऑडिट दिवस समारोह का समापन किया।

स्ट्रेट आइलैंड की आईआईएमपी के मसौदा तैयारी के लिए जन सुनवाई अब 23 दिसम्बर को

श्री विजय पुरम, 28 नवंबर

स्ट्रेट आइलैंड की एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना (आईआईएमपी) के मसौदे को तैयार करने के लिए सार्वजनिक सुनवाई के संबंध में जारी समाचार के संदर्भ में यह सूचित किया जाता है कि प्रशासनिक कारणों से 15 दिसंबर, 2025 को सुबह 11 बजे उत्तर व मध्य अण्डमान के बाराटांग के नीलाम्बूर ग्राम पंचायत के सामुदायिक सभागार में निर्धारित सार्वजनिक सुनवाई स्थगित कर दी गई है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्ट्रेट आइलैंड की एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना (आईआईएमपी) के मसौदे को तैयार करने के लिए सार्वजनिक सुनवाई अब 23 दिसंबर, 2025 को सुबह 10 बजे एपीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, लांग आईलैंड, उत्तर व मध्य अण्डमान में आयोजित की जाएगी।

रंगत के सीएचसी में परिवार नियोजन नसबंदी सेवा 2 दिसम्बर को

श्री विजय पुरम, 28 नवंबर

राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत 2 दिसम्बर, 2025 को मध्य अण्डमान के रंगत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में केन्द्र शासित प्रदेश स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से स्वास्थ्य सेवा निदेशालय द्वारा निश्चित दिन की परिवार नियोजन नसबंदी सेवा का आयोजन किया जाएगा। रंगत और बिल्लीग्राउंड क्षेत्र की पात्र पात्र दम्पत्तियों से अनुरोध किया गया है कि वे इस अवसर का उपयोग करें और चिकित्सा अधिकारी प्रभारी से संपर्क करें। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रंगत और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बिल्लीग्राउंड स्क्रीनिंग के लिए अपने नाम दर्ज़ करेंगे।

"एमआई मैटर्स: कॉलेज छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का समाधान" पर सेमिनार आयोजित

श्री विजय पुरम, 28 नवम्बर।

यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) ने अपने छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 25 नवंबर, 2025 को अपने लेक्चर गैलरी में "माइंड मैटर्सः कॉलेज छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को समाधान करना" शीर्षक से एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। जेएनआरएम की प्रिंसिपल श्रीमती पर्ल देवदास ने मुख्य अतिथि के रूप में पहल की सराहना की और छात्रों से मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का आग्रह किया, उन्हें याद दिलाया कि मानसिक स्वास्थ्य एक साझा मानवीय अनुभव है और मदद मांगना एक कठिन कार्य है। कार्यक्रम की शुरुआत कंप्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद सी. के स्वागत भाषण से हुई। कार्यक्रम में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी प्रमुख चिंताओं पर चर्चा करने के लिए मनोचिकित्सा, नशामुक्ति, बाल कल्याण और योग के विशेषज्ञ एक साथ आए। पहला तकनीकी सत्र डॉ. मितेश बिहारी, एमबीबीएस, एमडी (मनोचिकित्सा) ने "तनाव और शक्तिः कॉलेज छात्रों के लिए मुकाबला करने की रणनीतियाँ" पर दिया, इसके बाद, साथी (एनजीओ) के सचिव, श्री शेख फारूक़ आलम ने "लत और युवा पीढ़ीः चुनौतियाँ और समाधान" विषय पर एक प्रभावशाली भाषण दिया, जिसमें युवाओं में बढ़ते मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। दक्षिण अण्डमान की बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री सुजीत थंगाचन ने बच्चों के लिए कानूनी सुरक्षा उपायः पोक्सो के बारे में हर कॉलेज के छात्र को क्या पता होना चाहिए" विषय पर चर्चा की, और बाल संरक्षण कानूनों और ज़िम्मेदारियों पर स्पष्टता प्रदान की। अंतिम सत्र में, डॉ. नंदिनी, चिकित्सा अधिकारी (योग और प्राकृतिक चिकित्सा) ने "मन–शरीर सामंजस्यः मानसिक स्वास्थ्य में योग की भूमिका" पर चर्चा की, और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के लिए सरल योगाभ्यासों पर ज़ोर दिया। संगोष्ठी का समन्वयन बीबीए पर्यटन विभाग के सहायक प्रोफेसर, डॉ. पी. अब्दुल सलाम ने किया और पर्यटन विभागाध्यक्ष डॉ. सीमांत कुमार डेका के धन्यवाद ज्ञापित किया।

पहलगांव पंचायत में लगा पशुचिकित्सा स्वास्थ्य शिविर

श्री विजय पुरम, 28 नवंबर

पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने 25 नवम्बर को पहलगांव पंचायत, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान में पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर के दौरान टुगापुर नंबर–8, टुगापुर नंबर–6 और पहलगांव गांव के मवेशियों की जांच वरिष्ठ वैज्ञानिक और पशु चिकित्सा मादा रोग विशेषज्ञ डॉ. पी. पेरुमल और मायाबंदर के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. सुजाता हेगड़े ने की। गर्भावस्था निदान और बांझपन से संबंधित समस्याओं सहित विभिन्न प्रजनन स्वास्थ्य मुद्दों के लिए कुल 14 मवेशियों की जांच की गई। हस्तक्षेप के हिस्से के रूप में, स्थानीय पशुधन की आनुवंशिक क्षमता और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए, क्रमशः सहवाल और मुर्रा नस्ल के उन्नत किस्म के वीर्य पट्टों का उपयोग करके एक गाय और एक भैंस का कृत्रिम रूप से गर्भाधान किया गया। इसके अलावा, शिविर में लाए गए सभी जानवरों को कृमि मुक्त किया गया और उनके समग्र स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति में सुधार के लिए खनिज मिश्रण प्रदान किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शिविर को पशुधन किसानों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और वैज्ञानिक पशु प्रबंधन प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने में लाभकारी साबित हुआ। मवेशियों और भैंसों के लिए बांझपन शिविर आयोजित करने की विभाग की पहल से गैर–उत्पादक जानवरों को पुनर्जीवित करने की उम्मीद है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में दूध उत्पादन में सुधार होगा।

मायाबंदर स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 28 नवंबर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के तहत अण्डमान तथा निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति (एएनपीसीसी) ने राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 2025 मनाए जाने के भाग के रूप में 24 नवंबर, 2025 को पीएम श्री राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मायाबंदर, उत्तर अण्डमान में जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। यह दिन 1984 के भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों की याद में हर साल मनाया जाता है, जिसमें पर्यावरण सुरक्षा और प्रदूषण की रोकथाम के महत्व पर प्रकाश डाला जाता है। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, डीएसटी के लाइब्रेरियन श्री वी. सत्यनारायण द्वारा जागरूकता पीपीटी प्रस्तुति दी गई। इस इंटरैक्टिव सत्र में छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसमें वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और द्वीपों तथा राष्ट्र को प्रभावित करने वाले विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों सहित प्रमुख विषयों को शामिल किया गया। पर्यावरण संरक्षण के संदेश को और मज़बूत करने के लिए, छात्रों के लिए लघु फिल्म "मीठा ज़हर" दिखाई गई। फिल्म को छात्रों ने ध्यानपूर्वक देखा और बाद में हुए प्रश्नोत्तर सत्र में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर, कलाकार श्री पी. सेंथिल कुमार और पुस्तकालयाध्यक्ष ने छात्रों और शिक्षकों को "स्वच्छता ही सेवा" और "स्वच्छ राष्ट्र बनाना है" संदेश लिखे सूती बैग वितरित किए। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यालय समुदाय को एकल–उपयोग वाले पॉलीथीन बैगों का उपयोग न करने और पर्यावरण–अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार श्री उमापति, पीजीटी (राजनीति विज्ञान) ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा निदेशक के प्रति आभार व्यक्त किया।

हल्की से मध्यम बारिश संभव

श्री विजय पुरम, 28 नवंबर

आपदा प्रबंधन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 29 और 30 नवंबर और 1 और 2 दिसंबर को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के अलग–अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। श्री विजय पुरम बंदरगाह पर स्थानीय चेतावनी संकेत संख्या–3 के स्थान पर सुदूर चेतावनी संकेत संख्या–2 को फहराया गया है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
सचिवालय
श्री विजयपुरम, दिनांक 27 नवम्बर, 2025

अधिसूचना

सं.... फा. सं.34–710/2025–राजस्व । चूंकि, उप–राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भू–राजस्व एवं भूमि सुधार विनियम,1966 की धारा 48(1) के तहत दिनांक 20/07/2011 के अधिसूचना सं. 34–710/2011–राजस्व द्वारा उसमें विनिर्दिष्ट स्थानीय क्षेत्र का राजस्व सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया है।

और चूंकि, उक्त अधिसूचना में सम्मिलित दक्षिण अण्डमान जिला के फरारगंज तहसील के अंतर्गत गुप्तापाड़ा गाँव का उक्त राजस्व सर्वेक्षण विधिवत पूरा हो चुका है।

अब इसलिए, उप–राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भू–राजस्व एवं भूमि सुधार विनियम,1966 की धारा 48(1) के तहत दक्षिण अण्डमान जिला के फरारगंज तहसील के अंतर्गत गुप्तापाड़ा गाँव के राजस्व सर्वेक्षण से संबन्धित कार्य का तत्काल प्रभाव से समाप्ति की घोषणा करते हैं।

उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
के आदेश से तथा उनके नाम पर
ह./–
सहायक सचिव (राजस्व)

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समन्वित विकास निगम लिमिटेड, श्री विजय पुरम
(सरकारी उपक्रम)

दुकान–सह–गोदाम की आवश्यकता

फा.सं. एम–17/1/2023–सहायक प्रबंधक (आईएमएफएल)–अनिडको–एएन/3758
दिनांक 26.22.2025

अनिडको लिमिटेड श्री विजय पुरम को निम्नलिखित स्थानों पर आईएमएफएल दुकान चलाने के लिए 70 वर्ग मीटर या उससे अधिक के उपयोग योग्य क्षेत्र वाले दुकान–सह–गोदाम हेतु स्थान की आवश्यकता है।

क्रमांक	स्थान	दुकान–सह–गोदाम स्थान की आवश्यकता
A	श्री विजयपुरम, दक्षिण अण्डमान जिला	
1	सिप्पीघाट से गाराचरमा	70 वर्ग मीटर या उससे अधिक
2	लम्बा लाइन से स्कूल लाइन	70 वर्ग मीटर या उससे अधिक
3	बर्ड लाइन	70 वर्ग मीटर या उससे अधिक
4	शोर पॉइंट/बम्बूफ्लैट	70 वर्ग मीटर या उससे अधिक
5	स्वराज द्वीप (स्वयं सेवा)	100 वर्ग मीटर या उससे अधिक, न्यूनतम 5 मीटर चौड़ाई
B	उत्तर और मध्य अडमान जिला	
1	बाराटांग	70 वर्ग मीटर या उससे अधिक
2	डिगलीपुर तहसील के अंतर्गत कालीघाट	70 वर्ग मीटर या उससे अधिक

भवन पूरी तरह से आरसीसी संरचना का होना चाहिए और उसमें कार्यरत कर्मचारियों के लिए शौचालय और अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुरूप ओवरहेड टैंक, आपातकालीन निकास द्वार और अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुसार आवश्यक संशोधन होना चाहिए। भूमि व्यावसायिक प्रकृति की होनी चाहिए। दुकान, सक्षम प्राधिकारी से आईएमएफएल विक्रीय लाइसेंस प्राप्त होने के बाद ही खोली जानी चाहिए।

इच्छुक पक्ष अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसमें सटीक स्थान, प्लिंथ क्षेत्रफल, उपयोग योग्य क्षेत्रफल, भवन की संरचना, भवन का डिजाइन, स्केच प्लान, विद्युत अनुपालन और ग्राम पंचायत/स्थानीय नगर पालिका द्वारा अनुमोदित भवन स्थिरता प्रमाणपत्र, प्रति माह किराए की मांग आदि का उल्लेख हो। साथ ही, एक उपक्रम भी दें कि उन्हें अपनी इमारत की जगह पर IMFL शॉप चलाने में कोई दिक्कत नहीं है, यह नोटरी/एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट द्वारा निष्पादित शपथ पत्र, भवन की नवीनतम स्वीकृति और व्यावसायिक रूपांतरण आदेश के रूप में एक वचनबद्धता भी होनी चाहिए। परिसर शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और धार्मिक स्थलों से 75 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए। मुख्य सड़क से ट्रक द्वारा भवन तक पहुंचा जा सके।

सीलबंद लिफाफे में प्रस्ताव अनिडको विकास भवन, श्री विजय पुरम में 28 दिसम्बर, 2025 को या उससे पहले दोपहर 3.00 बजे तक पहुँच जाने चाहिए और प्रारूप https://aniidco.and.nic.in और https://andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

उपरोक्त सीलबंद प्रस्ताव में दो अलग–अलग सीलबंद लिफाफे होंगे, जिन पर स्पष्ट रूप से "दस्तावेज विवरण" और दूसरे पर "वित्तीय प्रस्ताव" लिखा होगा। इसे एक तीसरे लिफाफे में रखना होगा, जिस पर बोली का शीर्षक, प्रस्ताव का स्थान, बोली लगाने वाले का नाम, पता और संपर्क नंबर लिखा होना चाहिए।

प्रबंध निदेशक, अनिडको बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार रखते हैं।

महाप्रबंधक (आईएमएफएल), अनिडको

अण्डमान एवं निकोबार प्रशासन, अधिशासी अभियंता का कार्यालय
एनआरएसई प्रभाग, विद्युत विभाग, मरीन (पोस्ट), श्री विजयपुरम – 744101

शुद्धिपत्र

फा.सं ई एल/एएल/एई/(एनआरएसई–।।)/1–5 (डी)/2025/1188 दिनांक 26.11.2025

यह 24/10/2025 को आयोजित पूर्व–निविदा बैठक के संदर्भ में है, जो सीपीपी पोर्टल पर आईडी : 2025–ई डी –20174–1 दिनांक 15/10/2025 के तहत जारी टेंडर और दिनांक 09/11/2025 को जारी तिथि विस्तार शुद्धिपत्र संख्यां ईएल/एएल/(एनआरएसई–।।)/1–5(डी)/2025/1124 के संबंध में है, जो सम्पूर्ण अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना (PMSG-MBY) के यूएलए (ULA) मॉडल के अंतर्गत 30 मेगावाट ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सोलर पावर प्रोजेक्ट्स की स्थापना हेतु एसपीडी (SPD) के चयन से संबंधित है।

पूर्व–निविदा बैठक की मिनट्स, साथ ही विक्रेता प्रश्नों के उत्तर, ईमेल के माध्यम से प्रसारित कर दिए गए हैं। इसके पश्चात, संशोधन सूचना और अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी तीन बकेट्स के लाभार्थियों की सूची (List-1) सीपीपी पोर्टल पर प्रकाशित कर दी गई है।

कार्यकारी अभियंता (एनआरएसई)
विद्युत विभाग

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, प्रात्रापुर की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/फिशरिस/2025–26/113

कार्य का नाम : समिति द्वारा, ग्राम पंचायत बिडनाबाद के अंर्तगत बर्मानाला में नेट मेंडिंग शेड की मरम्मत और रखरखाव (द्वितीय कॉल)।

अनुमानित लागत : रु. 5,40,043/–, धरोहर राशि : रु. 10,801/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 04/12/2025 के सायं 3.00 बजे तक है।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_20435_2

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

खबरों और रोचक जानकारियों के लिए पढ़िए
'द्वीप समाचार'

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान
गाराचरमा, श्री विजय पुरम

सूचना

भा.कृ.अनु.प.–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गाराचरामा, श्री विजय पुरम के कृषि–मौसम विज्ञान क्षेत्र इकाई (AMFU) में "ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना" परियोजना के अंतर्गत पूर्णतः संविदात्मक आधार पर निम्नलिखित पदों को भरने के लिए 10.12. 2025 को वॉक–इन–इंटरव्यू निर्धारित है:

1. वैज्ञानिक/तकनीकी अधिकारी (टी.ओ.) (कृषि–मौसम विज्ञान)–01 पद

योग्यता और अन्य मानदंडों का विवरण संस्थान की वेबसाइट http://www.ciari.res.in से डाउनलोड किया जा सकता है। इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे 10.12.2025 को सुबह 8.30 बजे वॉक–इन–इंटरव्यू के लिए पहुँचें। किसी भी प्रश्न के लिए, उम्मीदवार स्टोर–II अनुभाग, भा. कृ. अनु प.–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजयपुरम से संपर्क कर सकते हैं।

प्रशासनिक अधिकारी

अण्डमान एवं निकोबार प्रशासन
बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय,
आईसीडीएस परियोजना, फरारगंज, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

F. No. 5-68/ICDS/SA/SNP-1/2024-25/371 दिनांक 22.11.2025

बाल विकास परियोजना अधिकारी, आईसीडीएस परियोजना फरारगंज, सामाजिक कल्याण निदेशालय के अंतर्गत, पंजीकृत बोनाफाइड आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों से पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) से संबंधित सामग्रियों की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित करती है। यह आपूर्ति 49 आंगनवाड़ी केन्द्रों (दक्षिण अण्डमान) के लिए दरों की स्वीकृति की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी।

क्र.सं.	सेवा का नाम	49 आंगनवाड़ी केन्द्रों (दक्षिण अंडमान) हेतु पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) सामग्री की आपूर्ति।
1.	पात्रता	पंजीकृत फर्में
2.	अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD)	रु. 30,163/–
3.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	08/12/2025 के प्रातः 10.30 बजे तक
4.	तकनीकी बोली खोलने की तिथि	08/12/2025 प्रातः 11.00 बजे
5.	वित्तीय बोली खोलने की तिथि	तकनीकी बोली मूल्यांकन पूर्ण होने के बाद (वित्तीय बोली केवल उन्हीं निविदाकर्ताओं की खोली जाएगी जो तकनीकी बोली में योग्य होंगे)
6.	निविदा दस्तावेज संग्रहण	https://eprocure.andamannicobar.gov.in से 24/11/2025 से 08/12/2025 प्रातः 10.30 बजे तक उपलब्ध।

निविदा दस्तावेज पोर्टल https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

Tender ID: 2025_DSW_20691_1

बाल विकास परियोजना अधिकारी
आईसीडीएस परियोजना, फरारगंज

विकास इंजन से वैश्विक बढ़त तक: भारत के लॉजिस्टिक्स का सशक्तिकरण

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

भारत की लॉजिस्टिक्स एक नये चरण में प्रवेश कर रही है और खुद को एक तेज स्मार्ट और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में परिवर्तित कर रही है। एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्मों से जो माल परिवहन को नियंत्रित करते हैं से लेकर आधुनिक अवसंरचना तक देश के हर भाग को जोड़ने वाला अगली पीढ़ी का लॉजिस्टिक इकोसिस्टम धीरे–धीरे आकार ले रहा है। लक्षित नीति सुधारों, सांस्थानिक पुनर्व्यवस्था और तकनीक आधारित समाधानों की सहायता से सरकार लॉजिस्टिक्स को भारत के आर्थिक विकास और वैश्विक व्यापार व्यवस्था के मुख्य कारक में परिवर्तित कर रही है।

ढांचागत बदलावों की लहर देश भर में लॉजिस्टिक्स के नियोजन, कार्यान्वयन और परिमापन के तरीके को बदल रही है। यूएलआईपी (यूनीफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफार्म) जैसे प्लेटफार्म विभिन्न विभागों के आंकड़ों का एकीकरण कर रहे हैं, जबकि एलडीबी (लॉजिस्टिक्स डाटा बैंक) 2.0 वास्तविक समय में लाखों कंटेनरों की दृश्यता को सुगम बना रहा है। प्रत्येक एचएसएन (हार्मोनाइज्ड सिस्टम ऑफ नॉमिनक्लेचर) कोड को उसके मंत्रालय से जोड़ा जाता है जिससे जवाबदेही और नीति निर्धारण में सुधार होता है। एसएमआईएलई (स्ट्रेंथनिंग मल्टीमॉडल एंड इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम) प्रोग्राम के तहत शहर और राज्य स्तर की लॉजिस्टिक्स योजना को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ जोड़ा जा रहा है। अंतर्देशीय जलमार्ग ने पिछले साल 145.84 मीलियन टन का कार्गो का परिवहन करके रिकॉर्ड बनाया है जबकि रेल में भीड़ कम करने के लिए समर्पित माल गलियारों का उपयोग किया जा रहा है। औद्योगिक जोन में एनआईसीडीसी (नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) के तहत प्लग–एंड–प्ले पार्क निवेशकों के लिए तैयार अवसंरचना पेश करते हैं। जमीनी स्तर पर जीएसटी जैसे सुधारों और ई–वे बिल ने अंतर्राज्यीय परिवहन में लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों को दूर किया है। इन हस्तक्षेपों का स्पष्ट उद्देश्य हैरू लॉजिस्टिक्स लागत घटाना, क्षमता में सुधार करना और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की स्थिति को मजबूत करना।

भारत गंगा के मैदान में लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को एक एकीकृत मल्टीमॉडल तरीके के जरिये बदल रहा है जिसमें रोड, रेल और अंतर्देशीय जलमार्ग शामिल हैं और जिसकी वजह से परिवहन तेज, सस्ता और ज्यादा हरित हो रहा है। पूर्वी समर्पित माल गलियारा (ईडीएफसी) एक तीव्र गति वाला मालवाहन सेवा है जिसने वैगन टर्नअराउंड समय को 15–16 दिन से घटाकर 2–3 दिन कर दिया है और ट्रांजिट समय को 60 घंटे से घटाकर 35–38 घंटे कर दिया है। मालवाहन परिचालन का प्रबंधन अब प्रयागराज में मध्य नियंत्रण केन्द्र के जरिये होता है जिसकी वजह से मौजूदा रेल नेटवर्क पर भीड़ कम होती है। गंगा जलमार्ग का पुनर्जीवन वाराणसी में ईडीएफसी से जुड़ा है जो विनिर्माताओं को कार्गो को हल्दिया जैसे पूर्वी बंदरगाहों तक ले जाने की अनुमति देता है। कॉरिडोर के नजदीक भंडारण और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के तीव्र विकास ने रोजगार बढ़ाया है, भंडारण प्रबंधन में सुधार किया है और समय पर उत्पादन और निर्यात सुनिश्चित किया है। इन परियोजनाओं को विश्व बैंक से अच्छा निवेश मिला है जिसमें 1.96 अरब डॉलर ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और रेल लॉजिस्टिक्स पहलकदमियों के लिए और 375 मिलियन डॉलर गंगा जलमार्ग विकास के लिए है। कुल मिलाकर ये प्रयास एक कुशल, एकीकृत लॉजिस्टिक्स तंत्र बना रहे हैं जो लागत घटाता है, कार्बन उत्सर्जन कम करता है और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत के संपर्क को मजबूत करता है।

भारत के आर्थिक विकास का रास्ता कुशल लॉजिस्टिक्स पर निर्भर करता है, जो प्रतिस्पर्धा और वैश्विक संपर्क को बढ़ाने के लिए जरूरी हैं। राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और पीएम गतिशक्ति ने इस बदलाव में नई रफ़्तार डाली है जिसने एक से ज्यादा एकीकृत और आंकड़ा–संचालित लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम की नींव रखी है। लेकिन रणनीति में सटीकता की जरूरत होती है और यह लॉजिस्टिक्स की सही लागत की जानकारी से शुरू होती है। कुछ समय पहले तक, भारत की लॉजिस्टिक्स लागत को अकसर ज़्यादा आंका जाता था। जीडीपी के 13 से 14 परसेंट के आम तौर पर बताए जाने वाले आंकड़े कुछ खास या बाहरी आंकड़ों पर आधारित थे। इससे नीति बनाने में भ्रम पैदा हुआ और दुनिया भर में गलत धारणा फैलीं।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के साथ मिलकर अपनी तरह की पहला अध्ययन किया है। 'भारत में लॉजिस्टिक्स लागत का आकलन' नामक इस अध्ययन में वैज्ञानिक आधार पर आकलन किया गया है। इसमें हाइब्रिड मेथड का इस्तेमाल करते हुए 3,500 से ज़्यादा उद्योगों के हितधारकों के प्राथमिक आंकड़ों को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीएल), भारतीय रिजर्व बैंक और वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) के द्वितीयक आंकड़ों से मिलान किया गया है। इसकी रिपोर्ट में 2023 और 2024 के लिए भारत की लॉजिस्टिक्स लागत को जीडीपी का 7.97 प्रतिशत और गैर–सेवा आउटपुट का 0.09 प्रतिशत बताया गया है। कुल मिलाकर कुल लागत 24.01 लाख करोड़ रुपये आंकी गयी है।

श्रीलंकाई नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़े की समीक्षा में शामिल हुए विक्रांत और उदयगिरि

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

भारत का पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत और सबसे नया स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट उदयगिरि श्रीलंकाई नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़े की समीक्षा में भारत की समुद्री सेना का चेहरा बनकर उभरे हैं। श्रीलंका नेवी दोनों जहाजों की पहली विदेश तैनाती हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय समुद्री सहयोग, शांति और स्थिरता के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दिखाती है। दोनों जहाज फ्लीट रिव्यू इवेंट्स, सिटी परेड, आउटरीच गतिविधियों में शामिल होंगे और समीक्षा के दौरान आगंतुकों के लिए खुले रहेंगे।

भारत का पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत श्रीलंकाई नौसेना की 75वीं सालगिरह के मौके पर इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू के लिए श्रीलंका पहुंचा है। यह क्षेत्रीय समुद्री सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस गर्मजोशी भरे स्वागत ने गहरे सहयोग, बेहतर आदान–प्रदान और एक मजबूत समुद्री साझेदारी के लिए माहौल तैयार किया है। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने विक्रांत पर एक रिसेप्शन रखा, जिसमें स्वास्थ्य और मीडिया मंत्री सरकार के चीफ व्हिप कैबिनेट प्रवक्ता श्रीलंका में संसद सदस्य नलिंडा जयतिस्सा ने बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। उन्होंने विक्रांत के आने की तारीफ करते हुए इसे भारत और श्रीलंका के बीच साझा सुरक्षा और मजबूत दोस्ताना रिश्तों का एक संदेश बताया। श्रीलंकाई नौसेना का इंटरनेशनल लीट रिव्यू 27–29 नवंबर तक चल रहा है। यह कार्यक्रम श्रीलंका नौसेना की 75वीं वर्षगांठ समारोह का हिस्सा है और इसमें कई देशों के नौसैनिक जहाज, प्रतिनिधिमंडल और पर्यवेक्षक भागीदारी कर रहे हैं। दोनों भारतीय जहाजों की यह पहली विदेश में तैनाती है, जो क्षेत्रीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दिखाता है। देश में बने और देश की शान आईएनएस विक्रांत का इंटरनेशनल लीट रिव्यू में पहली बार शामिल होना हिंद महासागर क्षेत्र में साझेदार नौसेना के साथ भारत के लगातार जुड़ाव को दिखाता है। इससे दोनों नौसेनाओं में सहयोग और इंटरऑपरेबिलिटी के जरिए शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

मणिपुर में वैज्ञानिकों को मिला 37,000 साल पुराना बांस का तना

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

मणिपुर की इम्फाल घाटी में चिरांग नदी के किनारे वैज्ञानिकों को 37,000 साल पुराना बांस का तना मिला है। यह बांस बहुत खास है, क्योंकि इसमें कांटों के निशान पाए गए हैं। बांस के ऐसे जीवाश्म बहुत ही मुश्किल से मिलते हैं, क्योंकि बांस जल्दी सड़ जाता है। इस खोज को एशिया में मिला सबसे पुराना कांटेदार बांस माना जा रहा है। इससे पता चलता है कि उस समय (बर्फ़ युग) भी बांस अपने बचाव के लिए कांटों का इस्तेमाल करता था।

लखनऊ के बिरबल साहनी जीवाश्म विज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) के वैज्ञानिकों ने इस बांस का अध्ययन किया और इसकी पहचान चीमोनोबैम्बूसा नामक प्रजाति से मिलती–जुलती बताई। आधुनिक कांटेदार बांस की प्रजातियों से तुलना करके वैज्ञानिक यह समझ पाए कि पुराने समय में इन पौधों की रक्षा–प्रणाली (डिफेंस सिस्टम) कैसी होती थी।

इस अध्ययन को पेलियोबॉटनी और पैलीनोलॉजी नाम की वैज्ञानिक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। यह खोज बताती है कि बांस है जो दिखाता है कि उस समय भी बांस ने अपने बचाव के लिए कांटों का इस्तेमाल किया। यह जीवाश्म इसलिए भी खास है क्योंकि यह उस दौर से आता है जब दुनिया का मौसम बहुत ठंडा और सूखा था। इन कठोर परिस्थितियों में यूरोप जैसे कई क्षेत्रों से बांस लगभग गायब हो गया था। लेकिन पूर्वोत्तर भारत में मौसम अनुकूल था, इसलिए यहां बांस बचा रहा। यह खोज सिर्फ एक पौधे की कहानी नहीं है, बल्कि एशिया की पुरानी जलवायु और जैव–विविधता इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। यह शोध एस भाटिया, पी कुमारी, एनएच सिंह और जी श्रीवास्तव ने किया।

इतिहास के पन्नों में 29 नवंबरः प्रमुख शख्सियत जेआरडी टाटा का 1993 में निधन

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

वायुयान सहित कई अन्य उद्योगों में अग्रणी और आधुनिक भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाली प्रमुख हस्तियों में शामिल जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा (जेआरडी टाटा) का 29 जुलाई 1993 को गुर्दे में संक्रमण के कारण जिनेवा में 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें पेरिस के पेरे लेचसे नामक कब्रिस्तान में दफनाया गया है।

29 जुलाई 1904 को जन्मे जेआरडी टाटा, रतनजी दादाभाई टाटा और उनकी फ्रांसीसी पत्नी सुज़ेन्न ब्रीरे की पांच संतानों में से दूसरे थे। वे दशकों तक टाटा ग्रुप के निदेशक रहे और इस्पात, इंजीनियरिंग, होटल, वायुयान और अन्य उद्योगों को भारत में विकसित कर उसे सफल बनाया। साल 1932 में उन्होंने टाटा एयरलाइंस शुरू की। भारत के लिए इंजीनियरिंग कंपनी खोलने के सपने के साथ उन्होंने साल 1945 में टेल्को की शुरुआत की जो मूलतः इंजीनियरिंग और लोकोमोटिव के लिए थी। उन्हें वर्ष 1957 में पद्म विभूषण और साल 1992 में भारत रत्न से सम्मनित किया गया।

अन्य अहम घटनाएंः–1516 – फ्रांस और स्विट्जरलैंड ने फ्रेईबर्ग के शांति समझौते पर हस्ताक्षर किया।

1759 – दिल्ली के बादशाह आलमगीर द्वितीय की हत्या।

1775 – सर जेम्स जे ने अदृश्य स्याही का अविष्कार किया।

1870 – ब्रिटेन में आवश्यक शिक्षा कानून लागू हुआ।

1889 – बेंगलुरू के लालबाग़ गार्डन में 'ग्लास हाउस'की आधारशिला रखी गई।

1916 – अमेरिका ने डोमिनिकन रिपब्लिक में मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की।

1944 – अलबानिया को नाजी कब्जे से छुड़ाया गया।

1947 – भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन होने पर निज़ाम ने भारत में शामिल होने की अपेक्षा स्वतंत्र रहना चाहा।

1949 – पूर्वी जर्मनी में यूरेनियम खदान में विस्फोट से 3700 लोग मरे।

1961 – दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन भारत आये।

1970 – हरियाणा सौ फीसदी ग्रामीण विद्युतीकरण का लक्ष्य पाने वाला पहला भारतीय राज्य बना।

1987 – कोरियाई विमान फ़्लाइट 858 में थाईलैंड–म्यांमार की सीमा के पास विस्फोट में 115 लोगों की मौत।

1989 – तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गाँधी ने इस्तीफा दिया।

1999 – महाराष्ट्र के नारायण गाँव में विश्व का सबसे बड़ा मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप खुला।

अब देश में ही हो सकेगी भारतीय नौसेना के एमएच–60आर हेलीकॉप्टरों की मरम्मत, अमेरिका से करार

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

अब पांच साल भारतीय नौसेना के एमएच–60आर हेलीकॉप्टरों की मरम्मत, परीक्षण और रखरखाव की सुविधा देश में ही अमेरिकी कंपनी उपलब्ध कराएगी। इसके लिए शुक्रवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में अमेरिकी सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं। इस समझौते की लागत लगभग 7,995 करोड़ रुपये है। यह करार होने से नौसेना की ऑपरेशनल उपलब्धता, क्षमता निर्माण और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय नौसेना ने अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से 24 हेलीकॉप्टर 2.6 अरब डॉलर के उस सौदे के तहत खरीदे हैं, जो फरवरी, 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के समय हुआ था। इस सौदे के तहत अब तक 19 एमएच–60आर सीहॉक भारत आ चुके हैं। भारतीय नौसेना ने पिछले साल मार्च में कोच्चि के आईएनएस गरुड़ पर अमेरिकी एमएच–60आर सीहॉक बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर की पहली स्क्वाड्रन को औपचारिक रूप से हवाई बेड़े में शामिल किया था।

एमएच 60आर हेलीकॉप्टर दुनिया का शक्तिशाली बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है, जो देश की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित कर रहा है। अत्याधुनिक सेंसरों और मल्टी–मिशन क्षमताओं के साथ एमएच 60आर से समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ावा मिला है। उन्नत हथियार, सेंसर और एवियोनिक्स सूट से लैस सीहॉक भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा जरूरतों के लिहाज से बनाया गया है, जो पारंपरिक और असममित दोनों खतरों के लिए उन्नत क्षमताएं प्रदान करते हैं।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारतीय नौसेना के एमएच–60आर हेलीकॉप्टरों के बेड़े को फॉलो ऑन सपोर्ट और फॉलो ऑन सप्लाई सपोर्ट के जरिए पांच साल के लिए लगभग 7,995 करोड़ रुपये की मदद देने के लिए अमेरिका सरकार के साथ लेटर्स ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिका के फॉरेन मिलिट्री सेल्स प्रोग्राम के तहत शुक्रवार को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में यह करार हुआ। समझौते में स्पेयर पार्ट्स, सपोर्ट इक्विपमेंट, प्रोडक्ट सपोर्ट, ट्रेनिंग और टेक्निकल सपोर्ट, कंपोनेंट्स की रिपेयर और रिप्लेसमेंट और भारत में 'इंटरमीडिएट' लेवल के कंपोनेंट रिपेयर और पीरियोडिक मेंटेनेंस इंस्पेक्शन फैसिलिटीज बनाना शामिल है।

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी : भारत से एशिया–प्रशांत तक की लड़कियों को मिला प्रतिभा दिखाने का वैश्विक मंच

लखनऊ, 28 नवंबर।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी व डायमंड जुबली समारोह, भारत के अब तक के सबसे ऊर्जावान और विविधतापूर्ण युवा समागमों में से एक के रूप में सामने आ रहा है। लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 23 नवंबर से आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में एशिया–प्रशांत देशों एवं देश के कोने–कोने से 32,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जिसमें लड़कियों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो इस आयोजन की विशेष उपलब्धि के तौर पर दर्ज की जा रही है।

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी, विकसित युवा. विकसित भारत की थीम पर आधारित है, जो इस दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है कि युवा, भारत की प्रगति की यात्रा का नेतृत्व करते हैं। हालांकि, इस वर्ष जंबूरी में एक नया और प्रेरणादायक आयाम उभरा है, जिसमें सांस्कृतिक प्रदर्शनों और साहसिक क्षेत्रों से लेकर हाई–टेक लर्निंग मॉड्यूल्स तक, प्रतिभागी लड़कियों ने अभूतपूर्व आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व किया है, जो भारत की स्काउटिंग और गाइडिंग के लिए एक सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है।

आयोजन के दौरान, युवा स्काउट्स और गाइड्स ने हाई रोप चैलेंजेस, ग्राउंड–लेवल साहसिक गतिविधियों, रचनात्मक कला क्षेत्रों और आधुनिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए डिजाइन की गई कई वर्कशॉप्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार, नेतृत्व और प्रौद्योगिकी के सत्रों में प्रतिभागी लड़कियों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। साथ ही भारतीय वायु सेना के एयर अग्निवीर प्रदर्शनी, जिसमें विमानन मॉडल, रक्षा प्रौद्योगिकियां, सिमुलेटर्स और इंटरएक्टिव डिस्प्ले शामिल हैं, इसमें लकड़ियों की उपस्थित विशेष रूप से प्रेरणादायक रही है। पुरुषों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में लकड़ियों की बढ़ती रुचि सकारात्मक परिवर्तन संकेत हैं।

जंबूरी को वैश्विक आयाम प्रदान करते हुए, सऊदी अरब, मालदीव, श्रीलंका, पोलैंड, अमेरिका, बांग्लादेश, मलेशिया और नेपाल से आये प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुए हैं, जिनमें से कई देशों की लड़कियों की मजबूत टुकड़ियां भी शामिल रहीं। उनकी भागीदारी ने आयोजन को एशिया–प्रशांत क्षेत्र के रंग, विविधता और उत्साह से भर दिया है, इसे संस्कृतियों और युवा नेतृत्व का एक जीवंत गलियारा बना दिया है। अलग–अलग देशों से आये युवा स्काउट्स और गाइड्स ने इस समागम को एक अनोखा अंतरराष्ट्रीय चरित्र प्रदान किया है।

भारत संतुलित व्यापार समझौते के लिए अमेरिका, इजरायल, कनाडा समेत 50 देश से कर रहा बातचीत

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत संतुलित व्यापार समझौते के लिए 14 देशों और समूहों से बात कर रहा है, जिसमें अमेरिका, यूरोपीय संघ, जीसीसी देश, न्यूजीलैंड, इजरायल, यूरेशिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों का समूह मर्कोसुर समेत 50 देश शामिल हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, यूनाइटेड किंगडम और चार देशों के ईएफटीए ब्लॉक के साथ संतुलित और न्यायसंगत व्यापार समझौते पहले ही पूर्ण हो चुके हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हाल में आई भू–राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के कारण दुनिया में भरोसेमंद साझेदारों और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं की जरूरत महसूस हुई है। इसी दृष्टिकोण के तहत भारत अपने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नेटवर्क और आर्थिक साझोदारियों का विस्तार कर रहा है। इसके जरिए देश की कोशिश न्यायसंगत, पारदर्शी और आपसी लाभकारी व्यापारिक साझेदारी का निर्माण करना है।

गोयल ने भगवद्–गीता और महात्मा गांधी के स्वदेशी वस्तुओं के अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता ने ऐतिहासिक रूप से भारत की प्रगति का मार्गदर्शन किया

है और यह देश की आर्थिक रणनीति का केंद्रबिंदु बनी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत पर ध्यान केंद्रित करने से यह दृष्टिकोण और भी मजबूत हुआ है।

हाल ही में हुए यूरोपीयन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) समझौते का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस समूह ने भारत में इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने रिसर्च और इनोवेश में भारत की लागत प्रतिस्पर्धात्मकता का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में किए जाने वाले उच्च–गुणवत्ता वाले इनोवेशन यूरोप या अमेरिका की तुलना में बहुत कम लागत पर हासिल किए जा सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के 14 दिवसीय आयोजन में 18 लाख से अधिक विजिटर्स पहुंचे

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के 44वें संस्करण का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ और 14 दिवसीय इस आयोजन में 18 लाख से अधिक विजिटर्स की भागीदारी दर्ज की गई।

मेले में आईटीपीओ के प्रबंध निदेशक डॉ. नीरज खरवाल की ओर से बेहतरीन प्रदर्शन करने पर आईआईटीएफ–2025 पुरस्कार प्रदान किए गए।

पार्टनर स्टेट कैटेगरी में राजस्थान को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ। इसके अलावा, बिहार को सिल्वर मेडल और उत्तर प्रदेश को ब्रॉन्ज मेडल दिए गए हैं। महाराष्ट्र को विशेष प्रशंसा पत्र मिला। वहीं, फोकस स्टेट कैटेगरी में झारखंड को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कैटेगरी में ओडिशा को गोल्ड मेडल, मध्य प्रदेश को सिल्वर मेडल और पुडुचेरी ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। दिल्ली, गोवा और कर्नाटक को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। राज्यों की कैटेगरी में थीमैटिक प्रेजेंटेशन में मेघालय को गोल्ड मेडल, केरल को सिल्वर मेडल और आंध्र प्रदेश को ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

मंत्रालयों एवं सरकारी विभागों की कैटेगरी में रक्षा मंत्रालय को गोल्ड मेडल, खान मंत्रालय को सिल्वर मेडल और रेल मंत्रालय को ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुआ। आयुष मंत्रालय, ऊर्जा मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय (सरस आजीविका मेला) को विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान किए

गए। सशक्त भारत (मंत्रालय एवं सरकारी विभाग) कैटेगरी में .षि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को गोल्ड मेडल, एमएसएमई मंत्रालय को सिल्वर मेडल और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुआ। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड और नेफेड को विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

आईटीपीओ के प्रबंध निदेशक डॉ. नीरज खरवाल ने कहा कि 14 दिवसीय मेले में अलग–अलग क्षेत्रों से बड़े स्तर पर भागीदारी देखी गई। उन्होंने कहा कि पूरे आयोजन में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम प्रतिबिंबित हुई। इसमें कटिंग–एज–टेक्नोलॉजी और स्टेट–ऑफ–द–आर्ट पवेलियन से लेकर एग्रीकल्चर इनोवेशन और पर्यावरण अनुकूल पहल तक के प्रदर्शन शामिल थे, जो भारत की आत्मनिर्भरता, क्रिएटिविटी और विशाल क्षमता को दिखाता है। उन्होंने मेले के अगले संस्करणों को बेहतर बनाने में मदद के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए।

इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 6–9 दिसंबर तक पंचकूला में होगा आयोजित

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ)–2025 अब हरियाणा के पंचकूला में 6 दिसंबर से 9 दिसबंर तक आयोजित होगा। विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के इस उत्सव के लिए इस वर्ष का थीम "विज्ञान से समृद्धिः आत्मनिर्भर भारत" रखा गया है। यह फेस्टिवल इस बार पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विभिन्न सरकारी विभागों के सहयोग से किया जा रहा है।

शुक्रवार को पृथ्वी भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में मंत्रालय के सचिव डॉ. एम रविचंद्रन ने बताया कि इस बार इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में युवा प्रतिभागियों के लिए हैकाथॉन, स्टार्टअप शोकेस, शीर्ष वैज्ञानिकों के साथ संवाद तथा यंग साइंटिस्ट्स कॉन्क्लेव जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कटिंग–एज टेक्नोलॉजी पर आधारित विशेष सत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं एजीआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी, जीन एडिटिंग, सेमीकंडक्टर्स, न्यू स्पेस टेक्नोलॉजीज और उभरती दूरसंचार प्रणालियां भी शामिल होंगी।

उन्होंने कहा कि आईआईएसएफ–2025 का मकसद वैज्ञानिकों, नव–प्रवर्तकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, इंडस्ट्री लीडर्स, साइंस कम्युनिकेटर और नीति–निर्माताओं को एक राष्ट्रीय मंच पर लाना है, ताकि उन सबके बीच सहयोग, रचनात्मकता और वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया जा सके। इस उत्सव का उद्देश्य नवाचारों को सार्थक परिणामों में बदलना और वैज्ञानिक खोजों को समाज हित के विकासात्मक पहलों से जोड़ना है।

इस उत्सव में युवा विद्यार्थियों को साइंस और टेक्नोलॉजी में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने, साइंस–बेस्ड एंटरप्रेन्योरशिप को मजबूत करने और भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक वैज्ञानिक शोध के साथ जोड़ने पर खास जोर दिया जाएगा। इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में विभिन्न विषयगत सत्र और इंटरैक्टिव गतिविधियां होंगी।

एशिया कप के लिए भारत की अंडर–19 टीम का ऐलान, आयुष म्हात्रे होंगे कप्तान

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात में 12 से 21 दिसंबर तक होने वाले एशिया कप 2025 के लिए भारत की अंडर–19 टीम की घोषणा कर दी है।

चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज़ आयुष म्हात्रे को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि वैभव सूर्यवंशी और विहान मल्होत्रा (उप–कप्तान) भी टीम में शामिल हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत 14 दिसंबर को दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। टीम के अधिकांश खिलाड़ी फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रही त्रिकोणीय सीरीज़ में हिस्सा ले रहे हैं, जहां रविवार को भारत अंडर–19'।' अफगानिस्तान अंडर–19 के खिलाफ फाइनल खेलेगा। एशिया कप 2025 को अंडर–19 वनडे विश्व कप 2026 से पहले एक महत्वपूर्ण तैयारी टूर्नामेंट माना जा रहा है।

भारतीय टीम– आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उप–कप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हर्वंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलन ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उदव मोहन, आरोन जॉर्ज।

कौन हैं 'तीसरी दुनिया के देश', जिन्हें अमेरिका में एंट्री नहीं देना चाहते डोनाल्ड ट्रंप?

वॉशिंगटन, 28 नवम्बर।

व्हाइट हाउस से कुछ ब्लॉक दूर हुई गोलीबारी ने अमेरिकी राजनीति को हिला दिया है, लेकिन असली तूफान तब उठा जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस घटना के बाद 'थर्ड वर्ल्ड कंट्रीज' से माइग्रेशन पर पूरी तरह रोक लगाने की घोषणा कर दी. उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी बताया.

ट्रंप ने यह दावा भी किया कि केवल 'रिवर्स माइग्रेशन' यानी जो लोग पहले अमेरिका आ चुके हैं, उन्हें वापस भेजने से ही सिस्टम ठीक हो सकता है. उनका यह बयान अमेरिकी इतिहास की सबसे आक्रामक इमिग्रेशन पॉलिसी रीसेट में से एक माना जा रहा है. हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किन देशों को 'थर्ड वर्ल्ड' कह रहे थे, जिसके बाद सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक हलकों में कयासों का सिलसिला शुरू हो गया.

कई लोगों के लिए 'थर्ड वर्ल्ड' शब्द का मतलब गरीब, पिछड़े और असुरक्षित देश होते हैं, लेकिन वास्तव में यह अवधारणा काफी पुरानी है. इतिहासकार बताते हैं कि इस शब्द का इस्तेमाल पहली बार फ्रेंच डेमोग्राफर अल्फ्रेड सॉवी ने 1952 में अपने लेख 'थ्री वर्ल्ड्स, वन प्लैनेट' में किया था.

20वीं सदी के मध्य में जब दुनिया कोल्ड वॉर में बंट गई थी, तब देशों को तीन हिस्सों में बांटा गयाः

फर्स्ट वर्ल्डः अमेरिका, उसके NATO सहयोगी, पश्चिमी यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया.

सेकंड वर्ल्डः सोवियत यूनियन, उसके सहयोगी, चीन और क्यूबा.

थर्ड वर्ल्डः वे सभी देश जो कोल्ड वॉर में किसी भी पक्ष में शामिल नहीं हुए, जिनमें अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और मिडिल ईस्ट के देश आते थे.

उस समय 'थर्ड वर्ल्ड' का मतलब गरीब देश नहीं, बल्कि 'नॉन–अलाइन' यानी किसी गुट से न जुड़े देशों से था. अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, ओशिनिया और कुछ एशियाई देश भी शामिल थे.

1991 में USSR के टूटने के बाद यह अवधारणा तकनीकी रूप से खत्म हो गई. इसके बाद 'थर्ड वर्ल्ड' शब्द धीरे–धीरे आर्थिक रूप से कमजोर या पिछड़े देशों का पर्याय बन गया.

आज संयुक्त राष्ट्र ने ऐसे देशों को Least Developed Countries के रूप में वर्गीकृत किया है, जिसमें मुख्य रूप से वे राष्ट्र हैं जिनकी अर्थव्यवस्था कमजोर है, हेल्थकेयर सिस्टम पिछड़ा है और प्रति व्यक्ति आय काफी कम है.

लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि US सरकार या US Immigration Department ने 'थर्ड वर्ल्ड कंट्रीज' की कोई आधिकारिक परिभाषा तय नहीं की है.

यही वजह है कि ट्रंप के बयान के बाद अब यह सवाल और गहरा हो गया है कि वह किन देशों की ओर इशारा कर रहे हैं. क्या यह सिर्फ अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के LDC देशों पर लागू होगा या फिर व्यापक पैमाने पर उन देशों पर भी जो अमेरिका की नजर में सुरक्षा खतरा बन सकते हैं?

स्वास्थ्य के लिए वरदान है विधारा, जड़ से लेकर फूल तक सब फायदेमंद

नई दिल्ली, 28 नवम्बर।

विधारा एक औषधीय लता है जो भारतीय उपमहाद्वीप के देसी पौधों में से एक है। इसे घावपत्ता, अधोगुडा, समुद्रशोख, हाथीलता और एलीफेंट क्रीपर जैसे कई नामों से जाना जाता है। इसकी पूरी लता (जड़, तना, पत्तियां और फूल) स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद हैं। इसे वृद्धदारूक (बुढ़ापे की लाठी) भी कहा जाता है।

इसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटी–इंफ्लेमेटरी, एनालजेसिक और हेपाटोप्रोटेक्टिव गुण पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, नसों को मजबूत करने और पुरुषों में स्टेमिना बढ़ाने में मदद करते हैं।

विधारा महिलाओं के लिए भी बहुत लाभकारी है। यह जोड़ों के दर्द, गठिया, बवासीर, सूजन, डायबिटीज, खांसी, पेट के कीड़े, एनीमिया और मिर्गी जैसी समस्याओं में काम आता है। जड़ विशेषकर मूत्र संबंधी रोग, त्वचा रोग और बुखार में उपयोगी है। जड़ का एथेनॉलिक सार सूजन कम करता है और घाव भरता है। सिर दर्द में जड़ को चावल के पानी के साथ पीसकर माथे पर लगाने से आराम मिलता है। फोड़े या कार्बंकल जैसी समस्या में भी जड़ का प्रयोग फायदेमंद है।

विधारा का स्वाद कड़वा, तीखा और गर्म होता है। यह भोजन को जल्दी पचाने में मदद करता है और कफ व वात को शांत करता है। पुरुषों में शुक्राणु बढ़ाने और वीर्य गाढ़ा करने में भी यह लाभकारी है। हड्डियों को मजबूत बनाए रखने और शरीर की सात धातुओं को पुष्ट करने में भी

विधारा मदद करता है। पेट दर्द, कब्ज या गैस की समस्या में इसके पत्तों का रस शहद के साथ लेने से फायदा होता है।

मधुमेह और पेशाब की समस्याओं में भी विधारा बहुत काम आता है। डायबिटीज में इसे शहद के साथ लेने से रक्त शर्करा नियंत्रित रहती है और रोग होने की संभावना कम होती है। मूत्रकृच्छ्र रोग में पेशाब बढ़ाने और जलन, दर्द कम करने में भी यह असरदार है। गर्भधारण में दिक्कत होने पर विधारा का काढ़ा या चूर्ण लेने से स्त्रियों में गर्भधारण की संभावना बढ़ती है।

हालांकि, विधारा का सेवन करने से पहले एक बार योग्य आयुर्वेदाचार्य से सलाह लेना जरूरी है, क्योंकि गलत मात्रा और तरीके से लेने से आपको नुकसान हो सकता है।